

पूर्वोत्तर भारत में शांति

प्रलिस के लयः

पूर्वोत्तर भारत, पूर्वोत्तर भारत में प्रमुख समझौते, सशस्त्र बल वशष अधकार अधनलयम

मेन्स के लयः

पूर्वोत्तर भारत में प्रमुख शांतवकलस, उत्तर पूर्व भारत का महत्त्व, पूर्वोत्तर भारत के वकलस के लयः पहल

चरचा मे क्यौं?

हाल ही में केंद्र सरकार ने बताया है कनलगरकलं की मौतों में 80% की गरलवट आई है और वर्ष 2014 से पूर्वोत्तर भारत में 6,000 उग्रवादलयों ने आत्मसमरण कलय है।

पूर्वोत्तर भारत में प्रमुख शांतवकलस

■ महत्त्वपूर्ण समझौते:

○ असम-मेघालय अंतरराज्यीय सीमा समझौता, 2022:

- समझौता छह ववलदत क्षेत्रों में शांतके लयः है जनलहें पहले चरण में समाधान हेतु ललय गया था।
- ववलदत क्षेत्र में से असम को 18.46 वर्ग कमी. तथा मेघालय को 18.33 वर्ग कमी. का पूर्ण नयंतरण प्राप्त होगा।

○ कार्बी एंगलॉग समझौता, 2021:

- **कार्बी एंगलॉग समझौता** असम के पाँच वदरोही समूहों, केंद्र और राज्य सरकार के बीच एक त्रपकषीय समझौते पर हस्ताक्षर कलय गए थे।
- 5 उग्रवादी संगठनों (KLNLF, PDCK, UPLA, KPLT और KLF) ने हथयार डाल दलय और उनके 1000 से अधिक सशस्त्र केंद्र ने हसल छोड़ दी तथा वे समाज की मुख्यधारा में शामिल हो गए।

○ बोडो समझौता, 2020:

- उग्रवादी नेशनल डेमोक्रेटक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (NDFB) के सभी गुटों सहलत केंद्र सरकार, असम सरकार और बोडो समूहों ने असम में बोडोलैंड टेरलोरयल एरलय डसल्टरकलट (BTAD) को बोडोलैंड टेरलोरयल रीजन (BTR) के रूप में पुनरनामत करने और उसका नाम बदलने के लयः **बोडो समझौते** पर हस्ताक्षर कलय।

○ ब्रू-रयलंग समझौता, 2020:

- ब्रू या रयलंग पूर्वोत्तर भारत का एक स्वदेशी समुदाय है, जो ज़यादातर त्रपलरा, मज़ोरम और असम में रहता है। त्रपलरा में उन्हें वशष रूप से **कमज़ोर जनजातीय समूह** के रूप में पहचाना जाता है।
- जनवरी, 2020 में केंद्र सरकार, त्रपलरा और मज़ोरम सरकार तथा **ब्रू-रयलंग (Bru-Reang)** के प्रतनलयधलयों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर कलय गए।
- समझौते के तहत गृह मंत्रालय त्रपलरा में बंदोबस्त का पूरा खर्च वहन करने के लयः प्रतबलद्ध है।

○ NLFT-त्रपलरा समझौता, 2019:

- नेशनल लबरेशन फ्रंट ऑफ त्रपलरा (NLFT) को वर्ष 1997 से **गरकानुनी गतवलयधलयों (रोकथाम) अधनलयम, 1967** के तहत प्रतबलधत कर दलय गया है तथा यह अंतरराष्ट्रीय सीमा पार अपने शवलरों से संचालत होने वाली हसल में शामिल रहा है।
- **NLFT समझौता 2019** के परणलमस्वरूप 44 हथयारों के साथ 88 केंद्रों का आत्मसमरण करलय गया।

○ AFSPA की भूमकलः

- सरकार ने पूरे त्रपलरा और मेघालय सहलत पूर्वोत्तर के एक बड़े हसलसे से AFSPA हटा ललय।
 - अरुणाचल प्रदेश में, AFSPA केवल 3 जलयों में लागू है।

भारत के लयः पूर्वोत्तर का महत्त्व:

- **रणनीतिक महत्त्व:**
 - पूर्वोत्तर भारत **दक्षिण-पूर्व एशिया** और उससे आगे के लिये प्रवेश द्वार है। यह **म्यांमार की ओर भारत का भूमि-सेतु** है।
 - भारत की **'एकट ईसट' नीति** पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के पूर्व की ओर संलग्नता की क्षेत्रीय अग्रिम पंक्ति पर रखती है।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
 - पूर्वोत्तर भारत विश्व के सर्वाधिक सांस्कृतिक रूप से विविधतापूर्ण क्षेत्रों में से एक है। **यहाँ 200 से अधिक जनजातियाँ पाई जाती हैं।** यहाँ के लोकप्रिय त्योहारों में **नगालैंड का हॉर्नबिल महोत्सव**, सकिंकिमि का पांग ल्हबसोल (Pang Lhabsol) आदि शामिल हैं।
 - पूर्वोत्तर भारत **दहेज की कुरीत** से मुक्त है।
 - पूर्वोत्तर भारत की संस्कृतियों का समृद्ध चित्रपट इसके अत्यधिक विकसित शास्त्रीय नृत्य रूपों (**जैसे असम में बहि**) में परलक्षित होता है।
 - मणिपुर में पवतिर उपवनों में प्रकृति की पूजा करने की परंपरा है, जिसे **उमंगलाई (UmangLai)** कहा जाता है।
- **आर्थिक महत्त्व:**
 - आर्थिक रूप से यह क्षेत्र **'TOT' (Tea, Oil and Timber)** के प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है।
 - यह क्षेत्र 50000 मेगावाट **जलवदियुत शक्ति** की संभावना और **जीवाश्म ईंधन** के प्रचुर भंडार के साथ एक वास्तविक 'पावरहाउस' है।
- **पारस्थितिक महत्त्व:**
 - पूर्वोत्तर क्षेत्र **भारत-बर्मा जैव विविधता हॉटस्पॉट** का अंग है। यह भारतीय उपमहाद्वीप के उच्चतम पक्षी और पादप जैव विविधता में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।
 - इस क्षेत्र में भारत में मौजूद सभी भालू प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

पूर्वोत्तर के विकास के लिये सरकार की प्रमुख पहलें

- **आधारभूत संरचना क्षेत्र में:**
 - **भारतमाला परियोजना**
 - **क्षेत्रीय संपर्क योजना (RCS)-उड़ान**
- **कनेक्टिविटी के क्षेत्र में:**
 - **कलादान मल्टी-मोडल पारगमन परविहन परियोजना**
 - **भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग**
- **पर्यटन के क्षेत्र में:**
 - **स्वदेश दर्शन योजना**
- **अन्य:**
 - **डिजिटल नॉर्थ ईसट वजिन 2022**
 - **राष्ट्रीय बाँस मिशन**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. भारतीय संविधान की कसि अनुसूची में कई राज्यों में अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और नियंत्रण के लिये विशेष प्रावधान हैं?

- तीसरी
- पाँचवी
- सातवी
- नौवी

उत्तर: (b)

प्रश्न. मानवाधिकार सक्कयितावादी लगातार इस वचिर को उजागर करते हैं कि सशस्त्र बल (वशिष शक्तियाँ) अधनियिम, 1958 (AFSPA) एक कूर अधनियिम है, जसिसे सुरक्षा बलों के द्वारा मानवाधिकार दुरुपयोगों के मामले उत्पन्न होते हैं। इस अधनियिम की कौन-सी धाराओं का सक्रयितावादी वशिष करते हैं? उच्चतम न्यायालय के द्वारा व्यक्त वचिर के संदर्भ में इसकी आवश्यकता का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (**मेन्स-2015**)

प्रश्न. भारत का उत्तर-पूर्वीय प्रदेश बहुत लम्बे समय से वदिरोह-ग्रसति है। इस प्रदेश में सशस्त्र वदिरोह की अतजिवति के मुख्य कारणों का वशिषण कीजिये। (**2017**)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

